दलहन संदेश

वर्ष : 1, अंक : 2 अप्रैल, 2010
राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (दलहन) योजना के अधीन आत्मा, सरायकेला द्वारा प्रकाशित

अशोक कुमार मिश्र, भा.प्र.से.
उपायुक्त सह अध्यक्ष (आत्मा)
सरायकेला-खरसावाँ

संदेश

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (दलहन) योजना के कार्यान्वयन के लिए राज्य के 15 जिलों में से सरायकेला-खरसावाँ जिले का भी चयन किया गया है। इस केन्द्रीय योजना का मुख्य उद्देश्य ''आत्मा'' के माध्यम से अभिज्ञात जिलों में फसल क्षेत्र का विस्तार और सतत् रीति से उत्पादकता वर्द्धन के माध्यम से दलहन के उत्पादन में बढ़ोतरी करना है।

सरायकेला-खरसावाँ जिले के कुल खेती योग्य भूमि 79803 हेक्टेयर में से 1985 हेक्टेयर भूमि मात्र में दलहनी फसलों की खेती की जाती है और लगभग 2544.75 मीट्रिक टन दलहन का उत्पादन होता है। जिले में दलहन उत्पादन के विस्तार की अपार सम्भावनाओं को देखते हुए इस योजना के अधीन वर्ष 2010-11 में कुल 4500 हेक्टेयर भूमि में दलहन की खेती के विस्तार करने का लक्ष्य रखा गया है। जिसे आत्मा, सरायकेला के द्वारा प्रखण्डवार एवं अवयववार धरातल पर कार्यान्वयन का प्रयास प्रसंशनीय है।

आत्मा, सरायकेला के इन सतत् किसानोपयोगी प्रयासों की सफलता की कामना करता हूँ। आशा करता हूँ कि ''दलहन संदेश'' नामक इस समाचार पत्रिका के प्रकाशन से किसानों एवं कृषि से जुड़े प्रसार कर्मियों को लाभ होगा तथा कृषि को लाभदायक व्यवसाय का रूप देने को बल मिलेगा।

(अशोक कुमार मिश्र)

सरायकेला में एन.एफ.एस.एम. (दलहन) योजना का लाँच

भारत सरकार ने राज्य के 15 जिलों में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एन.एफ.एस.एम. – दलहन) योजना के कार्यान्वयन की स्वीकृति दी है। जिले में इस योजना के कार्यान्वयन के लिए आत्मा, सरायकेला को जिला स्तरीय नोडल एजेंसी के रुप में अधिकृत किया गया है।

इस योजना को जिले में लागू करने के उद्देश्य से 11 मई 2010 को ''आत्मा भवन'' सरायकेला में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर तत्कालीन उपायुक्त सह अध्यक्ष (आत्मा), सरायकेला श्री गौरी शंकर प्रसाद के द्वारा जिले में ''एन.एफ.एस.एम. – दलहन'' योजना को लागू करने की विधिवत घोषणा की गई और किसानों को धान की परम्परागत खेती से हटकर दलहन की खेती करने की सलाह दी ताकि कृषि कार्य को लाभकारी बनाया जा सके।

एन.एफ.एस.एम. (दलहन) पर जिला स्तरीय कार्यशाला

11 मई 2010 को ''आत्मा भवन'' सरायकेला में ''एन.एफ. एस.एम. – दलहन'' पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

किया गया। कार्यक्रम उद्घाटन के अवसर पर तत्कालीन उपायुक्त सह अध्यक्ष (आत्मा), सरायकेला श्री गौरी शंकर प्रसाद ने किसानों को आधुनिक तकनीक से दलहन की खेती करने की सलाह दी। कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए उप विकास आयुक्त सह उपाध्यक्ष (आत्मा), सरायकेला श्री सीताराम बारी ने जिले में दलहन की खेती की सम्भावनाओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर एन.एफ.एस.एम. कंसल्टेंट, डॉ. श्यामदेव राम ने योजना का उद्देश्य, कार्य नीति, जिला स्तरीय संरचना, दलहन कार्यक्रम के अवयवों की जानकारी उपलब्ध करायी। परियोजना निदेशक, आत्मा, सरायकेला श्री अमरेश कुमार झा ने बताया की जिले में दलहन की खेती की काफी सम्भवनाऐं होने के कारण जिले का चयन योजना के अधीन किया गया है। इस योजना के शुरुआत से कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने में मदद मिलेगी। कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन प्रचालनात्मक दिशानिर्देश पुस्तिका का वितरण किया गया। इस कार्यशाला में जिले के प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी, जनसेवक, कृषक सलाहकार समिति के सदस्य, प्रगतिशील किसान, कृषक पाठशाला के संचालक एवं किसान मित्र सहित कुल 85 लोंगों ने भाग लिया।

जिला खाद्य सुरक्षा मिशन कार्यान्वयन समिति का गठन

जिले में परियोजना का निरुपण, कार्यान्वयन, मूल्यांकण एवं समीक्षा के लिए राज्य मिशन निदेशक, एन.एफ.एस.एम., झारखण्ड एवं भारत सरकार के मार्गदर्शिका के आलोक में सरायकेला–खरसावाँ जिला में निम्न प्रकार से जिला खाद्य सुरक्षा मिशन कार्यान्वयन समिति, एन.एफ.एस.एम. का गठन किया गया।

1.	उपायुक्त	अध्यक्ष
2.	जिला पशुपालन पदाधिकारी	सदस्य
3.	जिला गव्य विकास पदाधिकारी	सदस्य
4.	जिला मत्स्य पदाधिकारी	सदस्य
5.	जिला उद्यान पदाधिकारी	सदस्य
6.	जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी	सदस्य
7.	संयोग कुमार बानरा (प्रगतिशील कृषक)	सदस्य
8.	पंचानन राउत (प्रगतिशील कृषक)	सदस्य
9.	छोटु हांसदा (SHG प्रतिनिधि)	सदस्य
10.	सचिव, TRCSC (NGO प्रतिनिधि)	सदस्य
11.	सह निदेशक, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, दारीसाई, पूर्वी सिंहभूम	सदस्य
12.	परियोजना निदेशक, आत्मा	सदस्य
13.	जिला कृषि पदाधिकारी	सदस्य सचिव

एन.एफ.एस.एम. (दलहन) योजना का जिले में प्रचार-प्रसार

सरायकेला–खरसावाँ जिले में 11 जुलाई 2010 को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (दलहन) योजना को लॉच किया गया। जिले में इस योजना के कार्यक्रमों के व्यापक प्रचार–प्रसार हेतु जिले के सभी प्रखण्डों एवं सभी पंचायतों में योजना से सम्बंधित सूचनाओं को होर्डिंग एवं फ्लेक्स बैनर के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। इस प्रचार–प्रसार अभियान को श्री अमरेश कुमार झा, परियोजना निदेशक, आत्मा, सरायकेला एवं श्री विजय कुमार सिंह, उप परियोजना निदेशक, आत्मा, सरायकेला की देख–रेख एवं मार्गदर्शन में ग्रामीण स्तर तक पहुँचाने का त्वरित प्रयास किया जा रहा है।

आत्मा, सरायकेला के द्वारा योजना के कार्यक्रम से आम लोगों को परिचित कराने के उद्देश्य से सभी स्थानीय दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से प्रचारित किया गया, साथ ही योजना कार्यक्रम से सम्बंधित पम्पलेट का जिले के सभी हाट–बाजार, प्रखण्ड एवं पंचायत स्तर पर भी वितरण कराया गया। जिससे जिले के किसान योजना के कार्यक्रमों की ओर आकर्षित हो रहे हैं और योजना कार्यक्रम से जुड़ने वाले किसानों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

प्रचार–प्रसार सामग्री द्वारा किसानों को तकनीकी जानकारी देने के लिए अरहर की अधिक पैदावार के लिए पैकेज प्रणाली, उरद उत्पादन की आधुनिक तकनीक, मूँग उत्पादन की प्रौद्योगिकी, खरीफ फसलों का बीजोपचार, राईजोबियम जीवाणु कल्चर खाद का दलहनी फसल में प्रयोग एवं पी.एस.बी. का फास्फेट उपलब्धता बढ़ाने में प्रयोग सम्बंधी आत्मा द्वारा प्रकाशित फोल्डर/बुकलेट का भी वितरण चयनित लाभूक किसानों तथा योजना से जुड़े किसानों एवं प्रसारकर्मी के बीच किया गया।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (दलहन)

आत्मा भवन, जिला कृषि कार्यालय प्रांगण, सरायकेला-833219
दूरभाष : 06597- 234911, फैक्स : 06597- 234912
वेबसाईट : www.atmasaraikella.org, ईमेल :atmasaraikella@yahoo.co.in

सचिव, कृषि एवं गन्ना विकास विभाग, झारखण्ड, राँची के पत्रांक **2/NFSM,** दिनांक 03.04.2010 के आलोक में सरायकेला-खरसावाँ जिले में 2010-11 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (दलहन) की योजना स्वीकृत है। तद्नुसार राज्य मिशन निदेशक, **NFSM,** झारखण्ड के पत्रांक **142/NFSM,** दिनांक 01.07.2010 के द्वारा जिले में विभिन्न कार्य योजनाओं की स्वीकृति दी गई है। इसका क्रियान्वयन इसी वित्तीय वर्ष में खरीफ एवं रबी में करना है, जिसका अवयववार एवं प्रखण्डवार ि ववरण निम्न प्रकार है:

Organization of Technology Demonstration of 0.4 Hec (Assistance Rs. 2000/Hec)

क्र.	प्रखण्ड का नाम	अरहर	उड़द	मूँग	कुल्थी	चना	मटर	मसूर	अभ्युक्ति
1	सरायकेला	5	8	2	-	2	-	-	
2	खरसावाँ	6	12	3	3	7	-	-	
3	कुचाई	2	8	1	-	3	-	-	
4	राजनगर	5	12	5	3	7	2	2	
5	गम्हरिया	6	12	3	3	7	-	-	
6	चांडिल	5	12	5	4	7	2	2	
7	नीमडीह	5	8	3	-	5	2	-	
8	ईचागढ़	4	8	2	-	5	2	-	
	कुल योग	38	80	24	13	43	8	4	

50 प्रतिशत अनुदान पर कृषि यंत्रों के वितरण का लक्ष्य

क्र.	प्रखण्ड का नाम	नेपसेक स्प्रेयर (3,000 रू. प्रति यंत्र अनुदान)	जीरो ट्रील सीड ड्रील (15,000 रू. प्रति यंत्र अनुदान)	मल्टी क्रॉप प्लांटर (15,000 रू. प्रति यंत्र अनुदान)	सीड ड्रील (15,000 रू. प्रति यंत्र अनुदान)	रोटावेटर (30,000 रू. प्रति यंत्र अनुदान)	स्प्रींकलर सेट (7,500 रू. प्रति यंत्र अनुदान)	पम्प सेट (10,000 रू. प्रति यंत्र अनुदान)	पाइप (15,000 रू. प्रति/800 मी.)
1	सरायकेला	10	1	-	1	2	5	8	800
2	खरसावाँ	20	1	1	1	2	8	12	1600
3	कुचाई	10	1	-	1	2	5	8	800
4	राजनगर	20	1	1	1	2	8	12	1600
5	गम्हरिया	20	1	1	1	2	8	10	1600
6	चांडिल	20	1	1	1	3	8	12	2400
7	नीमडीह	15	1	-	1	2	6	8	800
8	ईचागढ़	15	1	-	1	2	5	8	1014
	कुल योग	130	8	4	8	17	53	78	10614

कृषक प्रक्षेत्र पाठशाला की स्थापना (सहायता रू. 17000/इकाई)

क्र.	प्रखण्ड का नाम	अरहर	उड़द	मूँग	कुल्थी	चना	मटर	मसूर	वर्मी कम्पोस्ट इकाई
1	सरायकेला	-	-	-	-	-	-	-	1
2	खरसावाँ	-	-	-	-	-	-	-	1
3	कुचाई	-	-	-	1	-	-	-	1
4	राजनगर	-	-	1	-	1	1	1	1
5	गम्हरिया	1	1	-	-	-	-	-	2
6	चांडिल	1	1	-	-	-	1	1	1
7	नीमडीह	-	-	-	-	-	-	-	1
8	ईचागढ़	-	-	-	-	1	-	-	2
	कुल योग	2	2	1	1	2	2	2	10

Integrated Nutrition Management (INM) & Integrated Post Management (IPM) & Distribution of P.P. Chemicals

क्र0	प्रखण्ड का नाम	INM			IPM	PP
		Lime / Dolomite/Zipsum (Assistance Rs. 750/Ha)	Micronutrient (Assistance Rs. 500/Ha)	Rhizobium Culture/PSB (Assistance Rs. 100/Ha)	(Assistance Rs. 750/Ha)	Chemicals (Assistance Rs. 500/Ha)
1	सरायकेला	30	40	60	25	25
2	खरसावाँ	45	60	100	38	37
3	कुचाई	30	40	60	25	25
4	राजनगर	50	60	100	40	40
5	गम्हरिया	55	60	100	40	40
6	चांडिल	55	60	100	40	40
7	नीमडीह	30	40	60	25	25
8	ईचागढ़	30	40	70	25	25
	कुल योग	**335 Ha**	**400 Ha**	**650 Ha**	**258 Ha**	**257 Ha**

अतः किसान भाईयों से अनुरोध है कि अपने प्रखण्ड से संबंधित लक्ष्य के अनुरूप विभिन्न अवयवों के क्रियान्वयन हेतु संबंधित प्रखण्ड विकास पदाधिकारी एवं प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी से सम्पर्क कर अपना आवेदन प्रखण्ड के माध्यम से जिला कृषि कार्यालय, सरायकेला-खरसावाँ को उपलब्ध करायें। लाभूकों का चयन अंतिम रूप से जिला खाद्य सुरक्षा मिशन कार्यकारिणी समिति **(DFSMEC)** की बैठक में किया जायेगा।

(अमरेश कुमार झा) झा.कृ.से.
अनुमंडल सह प्रभारी जिला कृषि पदाधिकारी,
सरायकेला-खरसावाँ

(सीताराम बारी) झा.प्र.से.
उप विकास आयुक्त,
सरायकेला-खरसावाँ

(अशोक कुमार मिश्रा) भा.प्र.से.
उपायुक्त,
सरायकेला-खरसावाँ

एन.एफ.एस.एम. (दलहन) योजना को लागु करने हेतु राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भागीदारी

झारखण्ड राज्य के 15 जिलों में एन.एफ.एस.एम. (दलहन) योजना को लागु करने के लिए 9 – 10 मार्च 2010 को समेति, झारखण्ड के सौजन्य से राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में आत्मा, सरायकेला की ओर से श्री अमरेश कुमार झा (परियोजना निदेशक), श्री विजय कुमार सिंह (उप परियोजना निदेशक) एवं श्री मुकेश कुमार (आई.टी. प्रभारी) ने भाग लिया और इस योजना की प्रचालनात्मक दिशानिर्देश तथा योजना की तकनीकी जानकारी प्राप्त किया। इस अवसर पर परियोजना निदेशक, आत्मा ने एन.एफ.एस.एम. (दलहन) की जिला स्तरीय कार्य योजना प्रतिवेदन समर्पित किया गया।

कृषि सचिव, झारखण्ड की अध्यक्षता में 14 मई 2010 को समेति सभागार में आयोजित एन.एफ.एस.एम. (धान, दलहन तथा ए. 3 पी.) – खरीफ 2010 मीट में श्री अमरेश कुमार झा (परियोजना निदेशक) एवं श्री विजय कुमार सिंह (उप परियोजना निदेशक) ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में जिला परियोजना कार्यान्वयन ईकाई के पदाधिकारियों को प्रखण्डवार योजना अवयवों को लागु करने के तरीके एवं लाभुकों के चयन से सम्बंधित जानकारियाँ उपलब्ध कराई गई।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (दलहन) की जिला कार्य योजना

वर्ष 2010–11 में सरायकेला जिले में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (दलहन) योजना के कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए अवयववार जिला कार्ययोजना को अनुमोदन प्रदान किया गया है। योजनाधीन इन अवयवों का क्रियान्वयन चालु खरीफ एवं रबी मौसम में प्रखण्डवार निम्नानुसार होगा।

तकनीकी प्रत्यक्षण (एक एकड़ या 0.4 हे.)

क्र.	प्रखण्ड	अरहर	उड़द	मूँग	कुल्थी	चना	मटर	मसूर
1	सरायकेला	5	8	2	.	2	.	.
2	खरसावाँ	6	12	3	3	7	.	.
3	कुचाई	2	8	1	.	3	.	.
4	राजनगर	5	12	5	3	7	2	2
5	गम्हरिया	6	12	3	3	7	.	.
6	चांडिल	5	12	5	4	7	2	2
7	नीमडीह	5	8	3	.	5	2	.
8	ईचागढ़	4	8	2	.	5	2	.
	कुल योग	38	80	24	13	43	8	4

50 प्रतिशत अनुदान पर कृषि यंत्रों का वितरण

क्र. सं.	प्रखण्ड	नेपसेक स्प्रेयर	जीरो ट्रील/सीड ड्रील	मल्टी क्रॉप प्लांटर	सीड ड्रील	रोटेवेटर	स्प्रींकलर सेट	पम्प सेट	पाईप (मी.)
1	सरायकेला	10	1	.	1	2	5	8	800
2	खरसावाँ	20	1	1	1	2	8	12	1600
3	कुचाई	10	1	.	1	2	5	8	800
4	राजनगर	20	1	1	1	2	8	12	1600
5	गम्हरिया	20	1	1	1	2	8	10	1600
6	चांडिल	20	1	1	1	3	8	12	2400
7	नीमडीह	15	1	.	1	2	6	8	800
8	ईचागढ़	15	1	.	1	2	5	8	1014
	कुल योग	130	8	4	8	17	53	78	10614

कृषक प्रक्षेत्र पाठशाला की स्थापना

क्र. सं.	प्रखण्ड	फसल का नाम							वर्मी कम्पोस्ट ईकाई
		अरहर	उड़द	मूँग	कुल्थी	चना	मटर	मसूर	
1	सरायकेला	.	.	.	.	.	.	.	1
2	खरसावाँ	.	.	.	.	.	.	.	1
3	कुचाई	.	.	.	1	.	.	.	1
4	राजनगर	.	.	1	.	1	1	1	1
5	गम्हरिया	1	1	.	.	.	.	.	2
6	चांडिल	1	1	.	.	.	1	1	1
7	नीमडीह	.	.	.	.	.	.	.	1
8	ईचागढ़	.	.	.	.	1	.	.	2
	कुल योग	2	2	1	1	2	2	2	10

समेकित पोषक तत्व प्रबंधन, समेकित नाशी जीव प्रबंधन एवं पौधा संरक्षण रसायनों का वितरण

क्र. सं.	प्रखण्ड	समेकित पोषक तत्व प्रबंधन			समेकित नाशी जीव प्रबंधन	पौधा संरक्षण रसायन
		चूना/ डोलोमाईट/ जिप्सम	सूक्ष्म पोषक तत्व	राईजोबियम कल्चर / पी.एस.बी.		
1	सरायकेला	30	40	60	25	25
2	खरसावाँ	45	60	100	38	37
3	कुचाई	30	40	60	25	25
4	राजनगर	50	60	100	40	40
5	गम्हरिया	55	60	100	40	40
6	चांडिल	55	60	100	40	40
7	नीमडीह	30	40	60	25	25
8	ईचागढ़	30	40	70	25	25
	कुल योग	325 हे.	400 हे.	650 हे.	258 हे.	257 हे.

प्रमाणित दलहन बीज का वितरण

क्र.	फसल	क्षेत्र (000 हे.)	दलहन फसल का क्षेत्र (प्रतिशत)	कुल क्षेत्र (हे.)	कुल प्रमाणित बीज की मात्रा (क्वी.)
1.	अरहर	4.078	4.7	1776	355.2
2.	उड़द	8.202	10.00	3950	790
3.	मूंग	2.399	11.2	840	1680
4.	कुल्थी	1.381	9.8	588	117.6
5	चना	4.109	6.9	919	760
6.	मटर	0.807	3.9	215.67	162
7.	मसूर	0.416	2.8	157	47
8.	कुल योग	21.392	49.3	8445.67	3911.8

अरहर की खेती पर प्रशिक्षण सह उपादान वितरण

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजना (दलहन) के अधीन वर्ष 2010–11 में 15.2 हेक्टेयर भूमि में अरहर पर तकनीकी प्रत्यक्षण का लक्ष्य रखा गया है। प्रत्यक्षण के कार्यान्वयन एवं लाभूकों को अरहर उत्पादन प्रौद्योगिकी से अवगत कराने के लिए आत्मा, सरायकेला के द्वारा ''आत्मा भवन'' में एक दिवसीय प्रशिक्षण सह उपादान वितरण कार्यक्रम का उद्घाटन श्री अशोक कुमार मिश्र, उपायुक्त सह अध्यक्ष (आत्मा), सरायकेला के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध दलहन

विशेषज्ञ, डॉ. जी. पी. श्रीवास्तव ने लाभूकों को अरहर की खेती की नवीनतम तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई। इस अवसर पर जाने–माने जैविक कृषि विशेषज्ञ डॉ. बी. मिश्र ने अरहर की खेती में जीवाणु एवं जैविक खाद की उपयोगिता बताते हुए लाभूकों को अरहर के बीज को राईजोबियम कल्चर से उपचारित करने की विधि बतायी। राईजोबियम कल्चर के व्यवहार से पौधों को 25–30 प्रतिशत आवश्यक नेत्रजन की मात्रा मिल जाती है और इससे उपज में भी 20–25 प्रतिशत बढ़ोतरी होती है। डॉ. मिश्र ने मृदा उर्वरता एवं समेकित पोषक तत्व प्रबंधन की जानकारी देते हुए बताया की जिले की भूमि में फास्फोरस की कमी पायी गयी है, जिसे फॉस्फेट विलयक जीवाणु (पी.एस.बी.) से बीज को उपचारित कर अरहर की खेती में स्फूर की उपलब्धता को बढ़ाई जा सकती है। क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, दारीसाई (पूर्वी सिंहभूम) के वैज्ञानिक डॉ. प्रदीप प्रसाद

ने अरहर की शस्य तकनीक तथा डॉ. एम. के. वर्णवाल ने अरहर बीज का बीजोपचार व समेकित नाशी जीव प्रबंधन के बारे में बताया। इस अवसर पर जिले के सभी 8 प्रखण्डों के चयनित कुल 38 लाभुक किसानों को अरहर पर एक एकड़ भूमि में तकनीकी प्रत्यक्षण हेतु, उन्नत अरहर बीज (प्रभेद – मालवीय–13) 8 कि.ग्रा., दो–दो पैकेट (100 ग्राम/पैकेट),

राईजोबियम कल्चर एवं पी.एस.बी., जैव उर्वरक, टेग जाईम, बोरॉन, सल्फर उर्वरक (सूक्ष्म पोषक तत्व) तथा बीजोपचार हेतु एक पैकेट कार्बेनडैनजाईम को उपादान के रुप में लाभूक किसानों को परियोजना निदेशक, आत्मा एवं अतिथि वैज्ञानिक के द्वारा वितरित किया गया।

उरद एवं मूंग की खेती पर प्रशिक्षण सह उपादान वितरण

वर्ष 2010–11 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजना (दलहन) के अधीन 32 हेक्टेयर भूमि में उरद तथा 9.6 हेक्टेयर भूमि में मूंग पर तकनीकी प्रत्यक्षण का लक्ष्य रखा गया है। प्रत्यक्षण के कार्यान्वयन एवं लाभूकों को उरद एवं मूंग की उत्पादन प्रौद्योगिकी से अवगत कराने के लिए आत्मा, सरायकेला के द्वारा 30 व 31 जुलाई को''आत्मा भवन'' में

आयोजित एकदिवसीय प्रशिक्षण सह उपादान वितरण कार्यक्रम का उद्घाटन श्री अशोक कुमार मिश्र, उपायुक्त सह अध्यक्ष (आत्मा), सरायकेला के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में दलहन विशेषज्ञ, डॉ. जी. पी. श्रीवास्तव ने लाभूकों को उरद की खेती की आधुनिक तकनीकी जानकारी दी। इस अवसर पर जैविक कृषि विशेषज्ञ डॉ. एन.सी. गुप्ता ने उरद एवं मूंग की खेती में जीवाणु एवं जैविक खाद की उपयोगिता बताते हुए लाभूकों को उरद एवं मूंग के बीज को राईजोबियम कल्चर से उपचारित करने की विधि बतायी। इसके व्यवहार से पौधों को 25–30 प्रतिशत आवश्यक नेत्रजन की मात्रा मिल जाती है और उपज में भी 20–25 प्रतिशत बढ़ोतरी होती है। डॉ. गुप्ता ने मिट्टी जाँच एवं समेकित पोषक तत्व प्रबंधन की जानकारी देते हुए बताया की जिले की भूमि में फास्फोरस की कमी पायी गयी है, जिसे फॉस्फेट विलयक जीवाणु (पी.एस.बी.) से बीज को उपचारित कर दलहनी फसल की खेती में स्फूर की उपलब्धता बढ़ाई जा सकती है। पौधा रोग वैज्ञानिक डा. जमील अख्तर ने मूंग की शस्य तकनीक तथा मूंग के बीज के बीजोपचार व समेकित

नाशी जीव प्रबंधन के बारे में बताया। इस अवसर पर जिले के सभी 8 प्रखण्डों के चयनित कुल 80 लाभुक किसानों को उरद (प्रभेद पंत–यू. एवं टी–9) तथा मूंग हेतू चयनित 24 लाभुक किसानों को मूंग (प्रभेद – एच.यू.एम. 06) पर एक एकड़ भूमि में तकनीकी प्रत्यक्षण हेतु, उन्नत उरद एवं मूंग का बीज

8–8 कि.ग्रा., दो–दो पैकेट (100 ग्राम/पैकेट), राईजोबियम कल्चर एवं पी.एस.बी., जैव उर्वरक, टेग जाईम, बोरॉन, सल्फर उर्वरक (सूक्ष्म पोषक तत्व) तथा बीजोपचार हेतु एक पैकेट कार्बेनडैनजाईम को उपादान के रुप में लाभूक किसानों को उपायुक्त, सरायकेला एवं परियोजना निदेशक, आत्मा के द्वारा वितरित किया गया। साथ ही लाभुक किसानों को मौसम आधारित उरद एवं मूंग फसल का बीमा कराया गया।

मौसम आधारित फसल बीमा योजना लागू

झारखण्ड सरकार द्वारा वर्ष 2010–11 में मौसम आधारित फसल बीमा योजना लागु की गई है। इस योजना में मौसम की विषमताओं द्वारा उपज की सम्भावित क्षति से कृषकों को भरपाई की जायेगी। आत्मा–सरायकेला के द्वारा एन.एफ.एस.एम. (दलहन) योजना के अधीन अरहर तकनीकी प्रत्यक्षण के लाभूकों हेतु जिले में पहली बार मौसम आधारित फसल बीमा योजना लागु की गई। इसके अधीन अरहर की खेती के लिए बीमित राशि 6400 रुपये के लिए कुल प्रीमियम राशि 706 रुपये में से किसानों को 155 रुपये प्रीमियम देय होगी, जिसे अरहर फसल हेतु चयनित सभी 38 तकनीकी प्रत्यक्षण हेतु बीमित कराया गया। इस बीमा योजना को चालू खरीफ मौसम में उरद हेतु 80 एवं मूंग हेतु 24 तकनीकी प्रत्यक्षण हेतु चयनित लाभूकों पर भी लागु कराया गया है। आत्मा के इस प्रयास को किसानों ने काफी सराहा।

समाचार पत्रों में एन.एफ.एस.एम. (दलहन) योजना की गतिविधियाँ

तकनीक से ही सुखाड़ से लड़ाई संभव : मिश्र

गांव में हो कार्यशालाएं, तभी फायदा : डीसी

प्रसाद एवं उपस्थित पदाधिकारी, कर्मचारी व किसान.

किसानों को मिले दलहन के बीज

...र को किसानों को बीज देते उपायुक्त अशोक कुमार मिश्रा।

सरायकेला। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन ... दलहन पर एक दिवसीय प्रशि... उत्पादन वितरण कार्यक्रम

अरहर दाल की खेती के लिए प्रशिक्षण आयोजित

तारकेश्वर प्रसाद

सरायकेला : सरायकेला के आत्मा भवन परिसर में अरहर दाल के उत्पादन हेतु बीज छींट का प्रदर्शन, वितरण एवं ...

घोषणा बाकी है. उन्होंने कहा कि उन्हें पूरी जानकारी है कि सरकारी योजना लागू करने में कितनी कठिनाई ...

दलहन की खेती पर कार्यशाला का आयोजन

देश की आत्मा गांवों में निवास करती है : डीसी

...र्यशाला में उपस्थित किसान (ऊपर) व उद्घाटन करते डीसी (नीचे).

की खेती कर सकते हैं. कार्यशा... में पश्चिम सिंहभूम के जि... कंसल्टेंट एसडी राम व पू... सिंहभूम के जगदीप दास ने दल... खेती 2010-11 को लागू करने... सफल क्रियान्वयन करने ...

सरायकेला (रिपोर्टर) : स्थानीय आत्मा ...न राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन ... दौर में किसान खेती ... के तौर तरीके ... बदलाव लायें. ... का उद्देश्य ... को ... तरीके से ... करने की ... देना है, ... कम लागत ... अधिक उत्पादन ... उन्होंने कहा ... उपायुक्त है. ... पूरी जनसंख्या को ... उत्पादकता की जा स... रहना पड़ेगा. श्री प्रसाद ने कहा कि बदलते ... धान की खेती करने ...

किसानों को दी गई अरहर की खेती की जानकारी

सरायकेला। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत सुखाड़ क्षेत्र में अरहर एवं अन्य दलहन की खेती के संबंध में किसानों को जानकारी दी गई। आत्मा भवन में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त अशोक कुमार मिश्रा ने किया। आत्मा के परियोजना निदेशक अमरेश कुमार झा, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र दारीसाई के कृषि वैज्ञानिक डा. प्रदीप प्रसाद, डा. मनोज कुमार एवं डा.पीके झा ने उपस्थित किसानों को खेती की बारीकियां बताई।

किसानों को दी गयी उड़द की खेती की आधुनिक तकनीक की जानकारी

सरायकेला (रिपोर्टर) : राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजना के तहत स्थानीय आत्मा भवन में दलहनी फसल उड़द खेती हेतु किसानों को आधुनिक खेती के तकनीकी ...

प्रशिक्षण पंचायत स्तर पर दिया जाये : उपायुक्त

जानकारी दी गई. बिरसा कृषि विश्वविद्यालय से आये वैज्ञानिक डॉ घनश्याम प्रसाद श्रीवास्तव व डॉ एनसी गुप्ता द्वारा प्रशिक्षण दिया गया. प्रशिक्षण अनुरूप उत्पादकता नहीं बढ़ा रहे हैं. किसानों के लिए दलहन की आधुनिक खेती वरदान साबित होगी. उन्होंने कहा कि वर्षा औसतन कम होने के कारण धान के फसल चौपट होने के कगार पर है. जबकि कम वर्षा में दलहन की खेती हो सकती है. व किसान लाभ कमा सकते हैं. उन्होंने जिलास्तर से पंचायत स्तर में प्रशिक्षण दिये जाने की बात कही, ताकि ग्राम स्तर पर किसान आधुनिक तकनीकी से अवगत हो सकेंगे. जिला कृषि पदाधिकारी सह आत्मा अपियोजना पदाधिकारी अमरेश कुमार झा, परियोजना उपनिदेशक स्तरीय प्रशिक्षण में किसानों के बीच उन्नत किस्म के उड़द बीज का वितरण किया गया. प्रत्येक किसानों को उड़द की बीज व उपचार हेतु दवा भी दिया गया. प्रशिक्षण में बतौर मुख्य अतिथि उपायुक्त अशोक कुमार मिश्रा द्वारा बीज वितरित किया गया. यह 80 किसानों के बीच दिया गया.

दलहन फसल पर प्रशिक्षण आज

सरायकेला : स्थानीय आत्मा भवन में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन ...

अमरेश कुमार झा, झा.कृ.से.
परियोजना निदेशक,
आत्मा, सरायकेला

संदेश

मौसम के बदलते मिजाज और वर्षापात की अनियमितता को देखते हुए हमारे किसान भाईयों को धान की परम्परागत खेती से हटकर दलहनी फसलों की खेती की ओर उन्मुख होने की आवश्यकता है, ताकि कृषि क्षेत्र को लाभकारी व्यवसाय का रुप दिया जा सके।

आत्मा, सरायकेला के द्वारा चालु खरीफ मौसम में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (दलहन) योजना के अधीन कुल 5.68 हेक्टेयर भूमि में अरहर, उरद एवं मूँग पर कुल 142 तकनीकी प्रत्यक्षण, समेकित पोषक तत्व प्रबंधन, समेकित जीव प्रबंधन हेतु उपादान एवं पौधा संरक्षण हेतु रासायनों का वितरण के अलावे 10 कृषक प्रक्षेत्र पाठशाला एवं 10 वर्मी कम्पोस्ट ईकाई का स्थापना किया जाना है। साथ ही किसानों को 50 प्रतिशत अनुदान पर कृषि यंत्रो यथा नेपसेक स्प्रेयर, जीरो ट्रील/सीड ड्रील, मल्टीक्रॉप प्लांटर, सीड ड्रील, रोटोवेटर, स्प्रींकलर सेट, पम्पसेट तथा सिंचाई पाईप के वितरण की योजना है।

आत्मा, सरायकेला के द्वारा जिले में योजना के कार्यक्रमों से अवगत कराने के उद्देश्य से "दलहन संदेश" समाचार पत्रिका का प्रथम अंक आपकी सेवा में समर्पित है।

(अमरेश कुमार झा)

जटाशंकर चौधरी, झा.कृ.से.
राज्य मिशन निदेशक, एन.एफ.एस.एम.
झारखण्ड, राँची

संदेश

वर्ष 2007–08 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजना (धान घटक) के अधीन राज्य के पाँच जिलों में योजना की सूत्रपात की गई। झारखण्ड राज्य में दलहन उत्पादन क्षेत्र के विस्तारीकरण की सम्भावनाओं को देखते हुए वर्ष 2010–11 में राज्य के 15 जिलों में एन.एफ.एस.एम. (दलहन) योजना को भारत सरकार के द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई, जिसमें सरायकेला–खरसावाँ जिला भी सम्मिलित है।

अल्प समय में ही आत्मा, सरायकेला के द्वारा श्री अशोक कुमार मिश्र, उपायुक्त सह अध्यक्ष (आत्मा) के प्रेरक नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में एवं श्री अमरेश कुमार झा, परियोजना निदेशक, आत्मा एवं श्री विजय कुमार सिंह, उप परियोजना निदेशक, आत्मा के द्वारा योजनाधीन विभिन्न अवयवों का प्रखण्डवार त्वरित गति से कार्यान्वयन प्रशंसनीय है।

आशा करता हूँ की आत्मा, सरायकेला की ओर से प्रकाशित "दलहन संदेश" न्यूज लेटर के प्रकाशन से जिले में योजना के कार्यक्रमों को बढ़ावा मिलेगा और जिले के किसान भाई इससे लाभान्वित होंगे।

(जटाशंकर चौधरी)

सम्पादक मण्डल

अध्यक्ष	:	**श्री अशोक कुमार मिश्र**, भा.प्र.से., उपायुक्त सह अध्यक्ष (आत्मा), सरायकेला
उपाध्यक्ष	:	**श्री सीताराम बारी**, झा.प्र.से., उप विकास आयुक्त सह उपाध्यक्ष (आत्मा), सरायकेला
मुख्य संपादक एवं प्रकाशक	:	**श्री अमरेश कुमार झा**, परियोजना निदेशक, आत्मा, सरायकेला
संपादक	:	**श्री अजय कुमार**, मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग, बी.ए.यू., राँची
तकनीकि सलाहकार	:	**श्री विजय कुमार सिंह**, उप परियोजना निदेशक, आत्मा, सरायकेला
टंकण एवं साजसज्जा	:	**श्री मुकेश कुमार**, आई.टी. प्रभारी, आत्मा, सरायकेला
संकलन	:	**श्री अमरेन्दर कुमार साहु**, लेखापाल सह लिपिक, आत्मा, सरायकेला

श्री अमरेश कुमार झा, परियोजना निदेशक, आत्मा, सरायकेला के द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (दलहन) योजना के अधीन प्रकाशित।
फोन : 06597-234911 ● फैक्स : 06597-234912 ● ई-मेल : atmaseraikella@yahoo.co.in ● वेबसाइट : www.atmaseraikella.org

1476/07/10 • KAILASH PAPER: TEL. 0651-2532251